संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -290 गुरूवार ,22 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8+8 मूल्य 4 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार 36 घंटे भी नहीं दिए और आशियाना उजाड़ दिए...

पर इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का 51 वां दिन

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...
जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रेमन डेका से हस्तक्षेप की मांग...क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

आखिर कलम बंद करने के लिए एक अखबार को किसने किया मजबूर ?

-विशेष संवाददाता-

रायपुर/अंबिकापुर,21 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के दैनिक घटती-घटना अखबार को आखिरकार कलम बंद क्यों करना पड़ा..? यह सवाल सभी के जेहन में आ रहा होगा...,तो हम आपको बताना चाहेंगे कि दैनिक घटती-घटना अखबार सदैव ही लोगों के लिए सच्ची खबर प्रकाशित करने का काम करता है। सरकार किसी की भी हो उन्हें कमियां दिखाने का काम करता रहा है। पिछली सरकार में भी सच लिखने का काम दैनिक घटती-घटना ने किया था,उस समय भी परेशानियों का सामना संपादक सहित पत्रकारों को अखबार के साथ करना पड़ा था,लेकिन उस समय परेशानियों का सामना मुकदमों से करना पड़ा था कई मामले कानूनी दर्ज होने के तौर पर करना पड़ा था वहीं इस बार आर्थिक क्षति के तौर पर अखबार के संपादक को नुकसान झेलना पड़ा है,भारत के लोकतंत्र में चौथा स्थान पत्रकारिता का आता है जिसे निष्पक्षता के साथ करना अत्यंत जरूरी है, ताकि देश में संतुलन बना रहे,जो काम दैनिक घटती-घटना बखूबी करता भी है, सत्ता परिवर्तन हुआ और नई सत्ता आई पर कमियों को दैनिक घटती-घटना ने प्रकाशित करना शुरू किया,जब पुरानी सरकार की कमियों को प्रकाशित किया गया था तब जनता ने नई सरकार चुनने का फैसला लिया और जब आज नई सरकार जनता के हित के लिए चुनी गई तो आज यह सरकार भी जनता के हित के लिए काम नहीं कर रही है, जिन कमियों को दिखाने का काम एक बार फिर दैनिक घटती-घटना ने शुरू किया,प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जो दैनिक घटती-घटना की खबरों की ही देन है उनसे जुड़ी कमियों को अखबार ने जब दिखाना शुरू किया तो उन्हें यह बात रास नहीं आई और उन्होंने अपनी कमियां दूर करने के बजाय दैनिक घटती-घटना को दबाने के लिए उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाया जिसका निर्देश उन्होंने मौखिक दिया जो न्यायोचित नहीं था और जो शासन की योजनाएं थी उस विज्ञापन को रोका गया जो पैसा भी शासन का था ना कि किसी मंत्री या अधिकारी के घर का, विज्ञापन रोकने में भी इतनी तत्परता दिखाई गई की नियमों को भी दरकिनार किया गया, इसके बाद भी दैनिक घटती-घटना कमियों की खबर प्रकाशित करता रहा,और लोकतंत्र को दबाया ना जाए इसके लिए दैनिक घटती-घटना ने 1 जुलाई से कलम बंद अभियान की शुरुआत की ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हमेशा ही स्वतंत्रता के साथ काम कर सके,दैनिक घटती-घटना अखबार इस अभियान को सिर्फ अपने लिए शुरू नहीं किया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को बचाने के लिए इस अभियान को शुरू किया...ताकि जहां पर प्रेस ऑफ फ्रीडम का स्थान भारत में 169 वां है जो काफी शर्मनाक है और इस और देश के सर्वोच्च न्यायालय व देश के प्रधानमंत्री को सोचना चाहिए,और यह भी सोचना चाहिए कि जिस देश में प्रेस ऑफ फ्रीडम की स्थिति अच्छी है वहां पर उस देश की भी स्थिति अच्छी है। लोकतंत्र पर दबाव बनाने के लिए प्रदेश के अखबार के प्रतिष्ठान पर कार्यवाही सहित शासकीय विज्ञापन की रोक कहीं ना कहीं लोकतंत्र को कुचलना भी लोगों की आवाज को दबाने का ही प्रयास जैसा है,दैनिक घटती-घटना के कलमबंद अभियान के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री और संयुक्त संचालनालय जनसंपर्क के उपसंचालक मयंक श्रीवास्तव से शासकीय विज्ञापन बंद करने को लेकर सवाल पूछा... कि आखिर क्या छापे जिससे आपको बुरा ना लगे...पर यह बात भी सरकार को नागवार गुजरी...और सरकार ने और बड़ा कदम उठाया ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कुचला जा सके। कलमबंद अभियान के तहत 28 दिनों से प्रदेश के जिम्मेदार व प्रदेश की बेहतरी के लिए जिनके हाथों में कमान है उनसे सवाल किया गया पर वह सवाल को भी बर्दाश्त नहीं कर पाए और 28 वें दिन दैनिक घटती-घटना के संस्थान पर बुलडोजर चलवा दिया, बुलडोजर चलवाना...भले ही लोकतंत्र को कुचलने के लिए आसान लगा हो...पर बुलडोजर चलने की आवाज भी पूरे देश में गूंज गई पूरे देश में छत्तीसगढ़ सरकार की तानाशाही दिख गई लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास दिख गया पर नहीं दिख सकी तो सरकार की संवेदना सरकार ने यह बता दिया कि उनके अंदर संवेदना बिल्कुल नहीं है क्योंकि जिस समय कार्यवाही की गई वह समय संपादक के घर पर शोक था पर शोक के समय में सरकार ने कार्यवाही करके हिंदूवादी पार्टी होने के दावे को भी झुठला दिया। अखबार जो कमियों को दिखा रहा था वह कमी वाकई में सरकार की छवि को खराब कर रही थी सरकार अखबार की खबरों पर संज्ञान लेकर अपनी छवि को बेहतर कर सकती थी उनके मंत्री अपनी छवि को बेहतर कर सकते थे पर अपनी छवि बेहतर करने के बजाय अपनी छवि को और खराब करने का सरकार का प्रयास सरकार के लिए ही गले की फांस बन गई। जो स्वास्थ्य मंत्री का विपक्ष में रहते हुए बड़ा नाम था वहीं स्वास्थ्य मंत्री को सत्ता मिलते ही उस नाम को सरे बाजार नीलाम कर लिया और वह भी सिर्फ अपने विवादित कर्मचारी की वजह से यहां तक की संघ को भी उन्होंने नहीं छोड़ा। इस लेख के माध्यम से हम यह भी जानना चाहेंगे की क्या कलम बंद अभियान चलाकर एक अखबार ने गलत किया या फिर पूरे देश के लोकतंत्र को बचाने का प्रयास किया इस पर आपकी क्या राय है यह भी जरूर दें।

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का 51 वां दिन

?

कलम बंद...का 51वां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

खुला पत्र

क्या पत्रकारिता हार गई...कहां गए वे लोग... जो पत्रकारों से न्याय की उम्मीद करते थे?

» सरगुजा आदिवासी अंचल के एक प्रतिष्ठित अखबार पर हुई कार्यवाही से प्रदेश की हिंदूवादी सरकार हुई बेनकाब...

» यदि अन्याय के खिलाफ आप मौन हैं....तो सोचिए कल न्याय के लिए आपका कौन है?

अम्बिकापुर,21 अगस्त 2024 (घटती-घटना)।

क्या लोगों के लिए न्याय प्राप्ति में अहम भूमिका निभाने वाली पत्रकारिता सत्ता के सामने हार गई...? यह सवाल इसलिए उत्पन्न हो रहा है क्योंकि लोकतंत्र का... चौथा स्तंभ...अब गिनती में ही रह गया है। सिर्फ चौथा स्तंभ कहलाना ही उसकी पहचान रह गई है...पर उसका अधिकार नहीं रह गया। क्योंकि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को दबाना सत्ता की आवश्यकता के हाथ में है...। सत्ता जैसे चाहेगी...वैसे लोकतंत्र को दबाएगी...क्योंकि अब आवाज को दबाना ही सत्ता में दोबारा वापसी करने का रास्ता हो गया है। अभी हाल ही में सत्ता के नशे में चूर छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री और मंत्री के दबाव में शासन-प्रशासन बेशर्मी से सारी हदें पार की...शायद यह फिर कभी और भी दोहराई जा सकती है,क्योंकि प्रशासन और अधिकारी भी सत्ता के दबाव में कठपुतली ही बना हुआ है। सही और गलत में फर्क तो अब उन्हें देखने आता ही नहीं,उन्हें सिर्फ आती है तो अपनी कुर्सी पर जमे रहने का मोह,कुर्सी की मोह भी ऐसी है कि मंत्री चाहे तो शासन-प्रशासन के जिम्मेदारों से कुछ भी करवा सकते हैं। कुछ भी का मतलब आप समझ सकते हैं कि कुछ भी...छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार की सरगुजा अंचल के एक दैनिक घटती-घटना अखबार पर हुई कार्यवाही विष्णु देव साय सरकार के सुशासन की पोल भी खोल दी और लोकतंत्र को दबाने में विष्णु देव साय सरकार भी पीछे नहीं...यह भी बात साफ कर दी। पर सवाल यहीं खत्म नहीं होता। जिन लोगों को न्याय दिलाने के लिए पत्रकारिता काम करती है,वे लोग भी नामर्दों की तरह पत्रकारिता की इज्जत व आबरू लूटने तमाशा देखते रहते हैं। पर सवाल यह भी उठता है कि क्या ये नपुंसक हैं या फिर अपने आप को मुर्दा ही मान चुके हैं? और अपनी उम्मीद सिर्फ पत्रकारिता से अपनी खबर लगवाकर पूरी करने तक ही रखते हैं। पत्रकार की लड़ाई में हिस्सा क्यों नहीं बनते...? क्या वे भी उतने ही स्वार्थी हैं, जितना की सत्ता और शासन-प्रशासन होती है..? इस समय में शर्म की तो बात ही अलग हो गई है... क्योंकि अब शर्म की चिंता भी ना तो सत्ता में है...और ना सत्ता के शीर्ष पर बैठे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों में और ना ही शासन-प्रशासन में...क्योंकि अब बेशर्मी शब्द को दरकिनार करके ही कमाई का जरिया इख्तियार हो सकता है। सिर्फ यही उद्देश्य है कि बेशर्मी शब्द को भूलकर आगे की रणनीति तय होती है। पत्रकारिता का गला सिर्फ चंद लोग नहीं, वे सारे लोग भी घोंट रहे हैं जो पत्रकारिता की आबरू को लूटते देख रहे हैं। पत्रकारिता को बचाने की जिम्मेदारी सिर्फ एक पर नहीं है। खुद पत्रकारिता के समाज से लेकर पत्रकारिता जिसके लिए होती है वह भी उसके उतने ही जिम्मेदार हैं। समाज का पतन खंड-खंड में नहीं होता वरन समाज के सारे घटक एक साथ एक गति से पतित होते हैं। भौतिकवाद की लालसा में आज समाज के सभी घटकों में पतन दृष्टिगोचर हो रहा है। पत्रकारिता भी समाज का अंग है,अतः एव उसमें भी इसी तारतम्य में पतन होना स्वभाविक है। यह अच्छी बात है कि समाज में अगर पतन के लक्षण विद्यमान हैं तो इसे उन्नति की ओर ले जाने वाले लोग भी बड़ी संख्या में है। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी बहुत से अच्छे लोग हैं। लोकतांत्रिक समाज में स्वतंत्र प्रेस स्वतंत्रता की आधारशिला है। सत्ता में बैठे लोगों को लोगों के प्रति जवाबदेह बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। पत्रकारिता,जिसे अक्सर लोकतंत्र की इमारत का चौथा स्तंभ कहा जाता है,एक शक्ति गुणक के रूप में कार्य करती है, जिसका काम घटनाओं की जानकारी देना और उनका विश्लेषण करना और जनता को शिक्षित करना है। पत्रकारिता के मूल्य-निष्पक्षता,स्वतंत्रता,सत्य को प्राथमिकता देना और हाशिए पर पड़े लोगों की आवाज़ को बुलंद करना-लोकतंत्र में अपनी भूमिका को पूरा करने में इसकी मदद करते हैं। हालाँकि,ऐसे युग में जहाँ पत्रकारिता सनसनी से प्रेरित,आँखों को लुभाने वाली सामग्री बनाने वाली फैक्ट्री में बदल गई है,जहाँ गति को विषय-वस्तु से ज़्यादा प्राथमिकता दी जाती है,तथ्य अक्सर पीछे छूट जाते हैं और जवाबदेही और ईमानदारी की कमी होती है। इससे भी बदतर खबर को मालिक और अन्य सत्ता संरचनाओं के हितों की सेवा के लिए डिज़ाइन किया गया है। आज मीडिया के पास अक्सर अपना खुद का राजनीतिक और व्यावसायिक एजेंडा होता है, जिससे उनकी स्वतंत्रता पर संदेह होता है। जो पत्रकार और जिनकी पत्रकारिता अपने आप को राजनीतिक और व्यवसायिक एजेंडे से दूर रखकर अपने स्वतंत्रता पर उठने वाली प्रत्येक उंगली को निराधार साबित करते हैं,उन्हें बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। जिसका ताजा उदाहरण सरगुजा आंचलिक का दैनिक घटती-घटना अखबार, उसके पत्रकार और संपादक हैं।

'एक पत्रकार की पहली निष्ठा जनता के प्रति होनी चाहिए। और स्वतंत्र रहना चाहिए। किसी भी प्रकार के व्यक्तिगत,दलों, संगठनों के दबाव में नहीं आना चाहिए। बल्कि सच्चाई को उजागर करना चाहिए।''

...डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

''लोकतंत्र की सफलता या विफलता उसके पत्रकारिता पर आधारित रहता हैं।''

...स्कॉट पेली

''हम पत्रकारिता में लोकप्रिय होने के लिए नहीं आते। यह हमारा कर्तव्य होता है कि, हम सच्चाई की तलाश करें और जब तक जवाब नहीं मिले तब तक अपने नेताओं पर लगातार दबाव डालें।''

...हेलन थॉमस

मैं खोज हूँ, मैं विचार हूँ ...
मैं अभिव्यक्ति की पुकार हूँ,
मैं सत्य का प्रसार हूँ,
मैं पत्रकार हूँ।
किसी सच की,तलाश में
या किसी शक के,आभास में
मैं किसी लाचार का विचार हूँ
या किसी नेता पर प्रहार हूँ
मैं पत्रकार हूँ।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

कलम बंद...का 51 वां दिन

?

कलम बंद...का 51वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,21 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

कलम बंद...का 51 वां दिन

कलम बंद...का 51 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,21 अगस्त 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

कलम बंद...का 51 वां दिन

कलम बंद...का 51 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

बदले की भावना से किसी व्यक्ति पर कार्यवाही अनुचित...

घटती-घटना समाचार-पत्र कार्यालय पर बुलडोजर कार्यवाही के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री ने दिया बयान

किसी के पिता की मृत्यु उपरांत कम से कम उसके विरुद्ध किसी कार्यवाही के लिए 13 दिवस का समय दिया जाना ही था उचितः टी एस सिंहदेव

» पहली बार विपक्ष का आया बयान...विपक्ष के बड़े नेता ने शासन-प्रशासन की कार्यवाही को बताया द्वेषपूर्ण...

» स्वास्थ्य मंत्री हैं बलौदा बाजार के प्रभारी मंत्री...प्रभार जिले में कलेक्टोरेट में आगजनी मामले में हुई है विधायक की गिरफ्तारी...

-विशेष संवाददाता-
अम्बिकापुर,21अगस्त 2024(घटती-घटना)।

खबरों के प्रतिशोध में जहां मौजूदा सरकार ने नियम को ही निरस्त कर दिया और शासन-प्रशासन को खुली छूट दे दी...एक अखबार के प्रतिष्ठा को नेस्तनाबूत करने की...और ऐसा लगा कि उन्होंने कोई जंग जीत ली हो...लेकिन अखबार के प्रतिष्ठान टूटने से सरकार की छवि कितनी धूमिल होगी इस बात का अंदाजा शायद उन्हें भी नहीं था,लेकिन कार्यवाही तो उन्होंने कर दी पर इस कार्यवाही से सरकार की थू-थू वाली स्थिति हो गई है,मौजूदा सरकार व प्रशासन में बैठे लोगों को तो सिर्फ प्रतिशोध निकालना था वहीं शासन में बैठे मंत्रियों की बात मानी और एक अखबार के मालिक के प्रतिष्ठान को जमीदोज करके सिर्फ अपना प्रतिशोध निकाला,प्रतिशोध को पूरा करने के लिए प्रतिष्ठान को नेस्तनाबूत करने की प्रक्रिया रची गई थी जिसका हिस्सा बने थे वह लोग जो अखबार की खबरों से कुंठित व जेल जाने का डर समा चुका था, जिस मामले में भले ही लोगों को लग रहा था कि मामला शांत है पर इस शांत मामले में विपक्ष के एक बड़े नेता का बयान आना सरकार को भी कचोटेगा।

दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र के संपादक के प्रेस कार्यालय सहित उनके प्रतिष्ठान पर बुलडोजर कार्यवाही के उपरांत पहली बार किसी बड़े विपक्षी नेता का बयान सामने आया है जो पूर्व उपमुख्यमंत्री का बयान है जिसमे उन्होंने यह कहा है कि कार्यवाही कहीं न कहीं द्वेषपूर्ण है और अनुचित है। पूर्व उपमुख्यमंत्री का एक बयान सामाने आया है जिसमे उन्होंने यह माना है कि जो कार्यवाही अंबिकापुर में दैनिक घटती -घटना संपादक के विरुद्ध हुई उसे कुछ समय के लिए टाला भी जा सकता था और चूंकि संपादक पित्रशोक में थे उन्हें समय कम से कम 13 दिवस का दिया जा सकता था जो नहीं दिया गया यह एक विद्वेष माना जा सकता है प्रशासन-शासन का...पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा की जहां कार्यवाही हुई या जिस शहर में कार्यवाही हुई वहां वह एकमात्र ऐसा मामला होता अतिक्रमण का समझ में आती कार्यवाही की अन्य पर भी हुई कार्यवाही लेकिन ऐसा नहीं देखने-सुनने को मिला एकमात्र कार्यवाही हुई पूरे प्रदेश में जो द्वेष ही मानी जायेगी। उन्होंने यह भी कहा की 152 प्रतिशत जमा कर शासकीय भूमि पर वर्षों का कब्जा बहाल किया जाना पूर्व सरकार का एक महत्वपूर्ण निर्णय था जिसे वर्तमान सरकार ने कैबिनेट में निरस्त किया लेकिन जब निरस्त ही किया तो क्या एकमात्र व्यक्ति के लिए निरस्त किया...यह एक बड़ा प्रश्न है जो जवाब मांग रहा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिस दिन कार्यवाही हुई उस दिन उन्हें भी संपादक का फोन आया लेकिन जब तक कुछ बात समझ में आती तबतक प्रशासन कार्यवाही कर चुका था। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि संपादक कहीं भागने वाले तो थे नहीं कि उन्हे समय नहीं दिया गया उन्हे अवसर नहीं दिया गया जबकि उनके यहां बड़ा दुख पड़ा हुआ था पिता की मृत्यु हुई थी उनके और वह अंतिम क्रियाकर्म के कार्यक्रम को निपटा रहे थे। उन्होंने यह भी कहा की कांग्रेस की बनाई गई मामले के लिए जांच दल की रिपोर्ट में भी यह बात सामने आई है कि जो कुछ हुआ उसे प्रशासन ने जल्दबाजी में अंजाम दिया और कहीं न कहीं यह गलत हुआ और द्वेषवश किया गया।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती-घटना | लेख एवं विचार अभिव्यक्ति | अम्बिकापुर, रविवार 28 जुलाई 2024 | 2

विधायक देवेन्द्र यादव ने घटती-घटना के कलम बंद अभियान को विधानसभा में उठाया मुद्दा तो मंत्री ने झाड़ा पल्ला

» छत्तीसगढ़ विधानसभा के सत्र में इस बार स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त कमियों और अस्पतालों की दुर्दशा का मुद्दा छाया रहा...

» स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल द्वारा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का गला घोटने की साजिश...

» अखबार द्वारा सच्चाई से अवगत कराना मंत्री को ही आया पसंद...तो विभागीय विज्ञापन रुकवा कर थपथपा रहे अपनी पीठ...

» मंत्री जी...यह पब्लिक है सब जानती है...आप क्या कर रहे क्या नहीं,यह आने वाला वक्त ही बताएगा...

» लगातार सुर्खियों में बना हुआ है प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग...

रायपुर/अम्बिकापुर,27 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।

विज्ञापन रोकने का उत्तर नहीं दे सके स्वास्थ्य मंत्री...

विधानसभा में छाया रहा बदहाल स्वास्थ्य सुविधा का मुद्दा...

बिगड़े स्वास्थ्य विभाग के कारण गिर रही सरकार की साख...

क्या विधायक देवेंद्र यादव को मिली घटती-घटना अखबार का मुद्दा उठाने की सजा... ?

वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री हैं बलौदा बाजार के प्रभारी मंत्री,प्रभार जिले में कलेक्टोरेट में आगजनी मामले में हुई है विधायक की गिरफ्तारी,घटती- घटना अखबार के कलम बंद अभियान का मुद्दा पिछले दिनों विधायक देवेंद्र यादव ने विधानसभा में जोरशोर से उठाया था,मुद्दा उठाने के वक्त प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल काफी लाल दिखलाई दे रहे थे। अब बलौदा बाजार जिले में पिछले महीने हुई आगजनी की घटना को लेकर विधायक देवेंद्र यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है,आशंका जताई जा रही है कि जिस प्रकार प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य मंत्री के द्वेष के कारण घटती-घटना अखबार के संपादक के व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर कार्यवाही की थी,उसी प्रकार विधानसभा में मुद्दा उठाने के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने विधायक देवेंद्र यादव से भी व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने की कोशिश की है। चूंकि स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल बलौदा बाजार जिले के प्रभारी मंत्री हैं,और उनके प्रभार जिले में कलेक्टोरेट में आगजनी की बड़ी घटना हुई थी,उसी मामले में विधायक देवेंद्र यादव को गिरफ्तार करने की बात सामने आई है लेकिन सूत्रों का दावा है कि इस मामले में भी स्वास्थ्य मंत्री ने द्वेषपूर्वक कार्यवाही कराकर विधायक को गिरफ्तार कराने में अहम भूमिका निभाई है।

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...कमी दिखाओ तो दिक्कत... जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 21 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

कलम बंद...का 51 वां दिन

?

कलम बंद...का 51वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

आईसीसी रैंकिंग में टीम इंडिया का जलवा

टॉप 5 में 3 भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, 21 अगस्त 2024। आईसीसी रैंकिंग में टीम इंडिया के खिलाड़ियों का जलवा बरकरार है। वैसे तो पिछले सप्ताह भारतीय खिलाड़ी ही नहीं,बल्कि कहीं भी कोई ज्यादा मैच नहीं खेले गए हैं। इसके बाद भी आईसीसी ने अपनी नई रैंकिंग जारी की है। वनडे की बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारत के स्टार खिलाड़ी अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब हुए हैं। टॉप 5 बल्लेबाजों में तीन टीम इंडिया के बल्लेबाज हैं।

बाबर आजम अभी भी नंबर एक बल्लेबाज,रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर

आईसीसी की ओर से वनडे की जो नई रैंकिंग जारी की गई है। उसमें अभी भी पाकिस्तान के बाबर आजम नंबर एक कुर्सी पर विराजमान हैं। उनकी रेटिंग 824 की है। ये बात और है कि बाबर ने पिछले करीब आठ महीने से कोई वनडे मैच खेला ही नहीं, इसके बाद भी वे नंबर एक की कुर्सी पर बने हुए हैं। लेकिन इसके बाद लगातार तीन स्थानों पर भारतीय खिलाड़ी काबिज हैं।

शुभमन गिल भी आईसीसी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा आईसीसी वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। उनकी रेटिंग अभी 765 की चल रही है। वे बाबर आजम के करीब पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें पछाड़ने के लिए रोहित शर्मा को अभी वनडे में कुछ और बड़ी पारियां खेलनी होंगी। इसके बाद नंबर तीन पर शुभमन गिल हैं। उनकी रेटिंग 763 की है। यानी रोहित और शुभमन की रेटिंग में बहुत कम अंतर है। जब ये दोनों खेलने उतरेंगे तो उनके बीच अच्छी जंग रैंकिंग को लेकर भी होती हुई नजर आएगी।

विराट कोहली का जलवा भी बरकरार

पूर्व कप्तान विराट कोहली का नंबर

चार की कुर्सी पर कब्जा बरकरार है। उनकी रेटिंग 746 की है। आयरलैंड के हैरी टैक्टर की रेटिंग भी इतनी ही है, इसलिए वे भी कोहली के साथ संयुक्त रूप से नंबर चार पर बने हुए हैं। खास बात ये है कि भारतीय टीम अब इस साल कोई भी वनडे मैच नहीं खेलेगी। अगले साल की शुरुआत में इंग्लैंड की टीम भारत के दौरे पर आएगी, तब ये तीनों खिलाड़ी एक्शन में नजर आएंगे।

अगले सप्ताह टेस्ट की रैंकिंग में होगा बदलाव

इस बार टॉप 10 की रैंकिंग और रेटिंग में कोई भी ज्यादा फेरबदल देखने के लिए नहीं मिल रहा है। इसका कारण मैच ना होना भी हैं। अभी टीमों का ज्यादा फोकस टेस्ट और टी 20 पर है। लेकिन पिछले हफ्ते उस फॉर्मेट में भी मैच नहीं हुए, इसलिए वहां भी बदलाव नहीं हुए हैं। अब आज से पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच टेस्ट शुरू हो गया है। वहीं इंग्लैंड और श्रीलंका भी पहले टेस्ट के लिए आमने सामने होंगे। ऐसे में उम्मीद है कि टेस्ट की रैंकिंग में अगले सप्ताह काफी कुछ असर देखने के लिए मिलेगा।

4400 खिलाड़ियों की सुरक्षा में 25 हजार जवान तैनात होंगे

» इजरायली एथलीट्स के लिए खास व्यवस्था

पेरिस,21 अगस्त 2024। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 28 अगस्त से पैरालंपिक का आयोजन होगा। जिसके लिए देश के गृहमंत्री गेराल्ड डेर्मेनिन ने कहा कि ओलंपिक के दौरान की गई सुरक्षा व्यवस्था नकी तर्ज पर पैरालंपिक खेलों के दौरान भी पेरिस और इसके आसपास प्रत्येक दिन लगभग 25 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। डेर्मेनिन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोहराया कि अधिकारियों ने पैरालंपिक खेलों के लिए कोई ठोस आतंकवादी खतरा नहीं पाया है। उन्होंने कहा कि गाजा में युद्ध के दौरान फिलीस्तीन में लोगों की मौतों और पश्चिम एशिया में व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष के खतरे के बीच ओलंपिक की तरह पैरालंपिक के दौरान भी इजराइल के 27 खिलाड़ियों को एलीट पुलिस अधिकारियों द्वारा 24 घंटे सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी।

डेर्मेनिन ने कहा कि इसके अलावा 10 हजार निजी सुरक्षा एजेंट आयोजन स्थलों पर खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेंगे, पेरिस 2024 आयोजन समिति के अध्यक्ष टोनी एस्टेनग्वे ने बताया कि पैरालंपिक का आयोजन 19 आयोजन स्थलों पर होगा और इन खेलों में 4400 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

यूएई में होगा विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप 2024

» आईसीसी ने बांग्लादेश से छीनी मेजबानी

यूएई,21 अगस्त 2024। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप अब यूनाइटेड अरब एमिरेट्स में होगा। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश में हुई हिंसा और तख्तापलट के बाद देश के हालात ठीक नहीं है। जिसके बाद बांग्लादेश से विमेंस टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी छीन ली गई। अब 3 अक्टूबर से यूएई में 10 टीमों का विमेंस टूर्नामेंट खेला जाएगा। हालांकि, टूर्नामेंट के होस्टिंग राइट्स बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीबी के पास ही रहेंगे।

मेजबानी के लिए श्रीलंका और जिम्बाब्वे भी रेस में थे, लेकिन आईसीसी ने यूएई को मेजबानी देने का फैसला किया। इससे पहले आईसीसी ने बीसीसीआई से मेजबानी करने को कहा लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने इससे इनकार कर दिया। फिलहाल, आईसीसी ने बताया कि यूएई के दुबई और शारजाह स्टेडियम में टूर्नामेंट के सभी मैच कराए जाएंगे। टूर्नामेंट 3 से 20 अक्टूबर तक खेला जाना है।

पिछले कुछ सालों से यूएई को आईसीसी और एसीसी के कई टूर्नामेंट की मेजबानी मिल चुकी है। 2021 में कोरोना महामारी के कारण भारत के होस्टिंग राइट्स में मेंस टी20 वर्ल्ड कप यूएई में हुआ था। अब 4 साल के अंदर यूएई को दूसरे वर्ल्ड कप की मेजबानी मिल गई है।

यूएई में एशियन क्रिकेट काउंसिल के 2 एशिया कप भी पिचले 6 साल में हुए हैं। 2018 में वनडे एशिया कप और 2022 में टी20 एशिया कप की मेजबानी यूएई को मिली थी। खास बात ये है कि यूएई के दुबई में आईसीसी का हेडक्वॉर्टर भी है।

विनेश फोगाट के पति सोमवीर राठी का खुलासा

मेरी पत्नी को किसी से नहीं मिली कोई रकम

नई दिल्ली, 21 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल से अयोग्य घोषित होने के बाद विनेश फोगाट के भारत लौटने के बाद अफवाहें फैलीं कि उन्हें भारी नकद पुरस्कार मिले हैं। हालांकि, उनके पति सोमवीर राठी ने अब उसी प्लेटफॉर्म पर नेटिजंस को सूचित किया है कि किए गए दावे पूरी तरह से झूठे हैं और उनकी पत्नी को किसी से ऐसी कोई राशि नहीं मिली है। सोमवीर राठी ने इस पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए लिखा कि, निम्नलिखित संस्थाओं, व्यापारियों, कंपनियों और पार्टियों द्वारा विनेश फोगाट को कोई धनराशि प्राप्त नहीं हुई है. आप सभी हमारे शुभचिंतक लोग हैं, कृपया झूठी खबरें न फ़ैलाएँ. इससे हमारा नुक़सान तो होगा ही. सामाजिक मूल्यों का भी नुक़सान होगा। सामाजिक मूल्यों का भी नुकसान होगा। ये सस्ती लोकप्रियता पाने का साधन मात्र है। सोमवीर राठी की ओर से पोस्ट डालने के बाद उसी यूजर्स ने उनसे माफी मांगी।

मिशेल स्टार्क ने कहा-ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के समान अहम है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी

मेलबर्न,21 अगस्त 2024। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह श्रृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण श्रृंखला में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। स्टार्क ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से कहा,''इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे यह एशेज श्रृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है।'' ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क न केवल श्रृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

उन्होंने कहा,''हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है।'' भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा,''भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला होने वाली है। उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी।''

स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा,''जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है। उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचो टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा।''

स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है। आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं। इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे। हमारे लिए ये मैच प्राथमिकता में हैं। हम सभी अभी भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए तैयारी कर रहे हैं।

फारूक अहमद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए चीफ बने

ढाका, 21 अगस्त 2024। बांग्लादेश में हुए आरक्षण आन्दोलन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनकी जगह मोहम्मद युनुस अंतरिम सरकार के मुखिया बने। लेकिन बांग्लादेश में अभी तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी वजह से आईसीसी ने महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन बांग्लादेश की जगह यूएई में करवाने का फैसला किया। वहीं बांग्लादेश की पुरुष क्रिकेट टीम पाकिस्तान के दौरे पर है। इसी बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब उनकी जगह पूर्व क्रिकेटर फारूक अहमद को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का नया चीफ बनाया गया है। ढाका में हुई बैठक के दौरान फारूक को अध्यक्ष चुना गया है।

फारूक अहमद बांग्लादेश के पूर्व चीफ सेलेक्टर भी रह चुके हैं। उन्होंने साल 2003 से 2007 तक और 2013 से 2016 तक इस जिम्मेदारी को निभाया था। चीफ सेलेक्टर के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल में के बीच में ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। क्योंकि वह 3 सदस्यीय सेलेक्शन पैनल के विस्तार को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे।

अब आईसीसी के बॉस बनेंगे जय शाह ?

» ग्रेग बार्कले ने तीसरे कार्यकाल की रेस से खुद को किया अलग

नई दिल्ली, 21 अगस्त 2024। बीसीसीआई सचिव जय शाह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, बुधवार को 'द एज' ने यह जानकारी दी। जय शाह के पद पर नियुक्ति की अटकलें तब लगाई जा रही थीं, जब मौजूदा आईसीसी चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने 30 नवंबर को अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद तीसरे कार्यकाल से खुद को अलग कर लिया। द एज ने रिपोर्ट किया कि बार्कले का इस्तीफा ÷शासी निकाय और इसके प्रमुख प्रसारण अधिकार धारक स्टार के बीच 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विवाद के बीच हुआ।

बार्कले के इस फैसले से बीसीसीआई सचिव जय शाह के आईसीसी के चेयरमैन बनने के भविष्य को लेकर अटकलों को बल मिला है। चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि मंगलवार, 27 अगस्त है। एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने बोर्ड को पुष्टि की है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए खड़े नहीं होंगे और नवंबर के अंत में अपना वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने पर पद से हट जाएंगे। 2022 में फिर से चुने जाने से पहले बार्कले को नवंबर 2020 में स्वतंत्र आईसीसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

बयान में कहा गया है कि वर्तमान निदेशकों को अब 27 अगस्त 2024 तक अगले अध्यक्ष के लिए नामांकन प्रस्तुत करना आवश्यक है और यदि एक से अधिक उम्मीदवार हैं, तो 1 दिसंबर 2024 से शुरू होने वाले नए अध्यक्ष के कार्यकाल के साथ चुनाव आयोजित किया जाएगा। आईसीसी के नियमों के अनुसार, चेयरमैन के चुनाव में 16 वोट होते हैं और नौ वोटों के बहुमत वाले उम्मीदवार को विजेता घोषित किया जाता है। अगर शाह नामांकन दाखिल करते हैं और निर्वाचित होते हैं तो वे आईसीसी के चेयरमैन बनने वाले पांचवें भारतीय बन जाएंगे।जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर पहले भी शीर्ष क्रिकेट शासी निकाय का नेतृत्व कर चुके हैं।शाह वर्तमान में आईसीसी की वित्त और वाणिज्यिक मामलों उप-समिति का नेतृत्व कर रहे हैं। अक्टूबर 2025 से तीन साल की अनिवार्य कूलिंग-ऑफ अवधि से पहले उनके पास बीसीसीआई सचिव के रूप में अभी भी एक वर्ष शेष है।भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित बीसीसीआई संविधान के अनुसार, बीसीसीआई का कोई भी अधिकारी तीन साल की अनिवार्य कूलिंग-ऑफ अवधि पर जाने से पहले छह साल तक पद पर बना रह सकता है। शाह पहले ही बोर्ड के सचिव के रूप में पाँच साल पूरे कर चुके हैं।

आईसीसी ओडीआई रैंकिंग में स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर पहुंची

नई दिल्ली, 21 अगस्त 2024। महिलाओं की आईसीसी वनडे रैंकिंग में भारत की स्मृति मंधाना को फायदा हुआ है। वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी पोजीशन बरकरार रखी है। अपनी कप्तानी में श्रीलंका को एशिया कप का खिताब दिलाने वाली चमारी अट्टापट्टू को आईसीसी वनडे रैंकिंग में नुकसान हुआ है। वह आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं खेली थीं।

टॉप-10 में दो भारतीय प्लेयर हैं शामिल

भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना महिलाओं की नवीनतम आईसीसी वनडे रैंकिंग में एक पायदान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ है। मंधाना के नाम 738 रेटिंग अंक है और वह वनडे फॉर्मेट में भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली बल्लेबाज है। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस सूची में अपना नौवां स्थान बरकरार रखा है। टॉप-10 में सिर्फ ये भारतीय महिला प्लेयर ही शामिल हैं।

चमारी अट्टापट्टू को हुआ नुकसान

श्रीलंका की दिग्गज बल्लेबाज चमारी अट्टापट्टू तीसरे से चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। जबकि टीम की उनकी साथी बल्लेबाज नीलाक्षिका डी सिल्वा (तीन पायदान ऊपर 32वें), हर्षिता समरविक्रमा (आठ स्थान के सुधार के साथ 44वें) और कविशा दिलहारी (चार स्थान के सुधार के साथ 50 वें पायदान) ने अपनी रैंकिंग में सुधार किया। पहले नंबर पर इंग्लैंड की नेट सेवियर ब्रंट मौजूद हैं।

पा में अमिताभ की जिगरी दोस्त थी ये बच्ची

रसना गर्ल बनकर मिली पहचान,बर्थडे पर प्लेन क्रैश में गई थी जान

टीवी और बॉलीवुड के गई बाल कलाकार घर-घर में फेमस हैं। लोग इन बच्चों को काफी पसंद करते हैं और इनकी क्यूटनेस के मुरीद हो जाते हैं। एक ऐसी ही बच्ची थी रसना गर्ल तरुणी सचदेव। तरुणी का जन्म 14 मई 1998 को हुआ था। उन्होंने 2004 में मलयालम फिल्म वेल्लिनक्षत्रम से फिल्म दुनिया में कदम रखा। साल 2004 में फिल्म सत्यम में तरुणी ने पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ भी काम किया। साल 2009 में तरुणी के हाथ उनके छोटे से करियर की सबसे सफल लगी। वह अमिताभ बच्चन, विद्या बालन और अभिषेक बच्चन के साथ हिंदी फिल्म पा में नजर आईं। इससे पहले भी तरुणी अमिताभ के साथ एक विज्ञापन में स्क्रीन स्पेस साझा कर चुकी थीं। इसी विज्ञापन को देखकर ही उन्हें कई फिल्मों में काम मिला था। पांच साल की उम्र में ही वो मलयालम फिल्मों में भी नजर आईं। बताया जाता है कि वो चंद बार मलयालम संवाद सुनने के बाद ही याद कर लेती थी और झट से दोहरा देती थीं। साल 2009 में तरुणी को आर. बाल्की की फिल्म पा में अमिताभ बच्चन की क्लासमेट सोमी का रोल मिला था। दोनों के बीच गहरी दोस्ती दिखाई गई थी। ये रोल लोगों को काफी पसंद आया था और इसके बाद वो लोगों के दिल में उतर गई थीं। अपने अभिनय करियर के अलावा तरुणी ने पचास से ज्यादा विज्ञापनों में काम किया, जिनमें कोलगेट और आईसीआईसीआई बैंक जैसे मशहूर ब्रांड शामिल हैं। करिश्मा कपूर के साथ वो एक एड में नजर आई थीं और फिर यहीं से रसना गर्ल के नाम से पॉपुलर हो गईं। उनकी आखिरी फिल्म वेट्री सेल्वन, एक तमिल ड्रामा-थ्रिलर थी जो साल 2014 में रिलीज हुई थी। हालांकि मौत से पहले ही तरुणी इस फिल्म के ज्यादातर सीन शूट कर चुकी थीं, कुछ सीन भले ही रह गए थे लेकिन इसके बाद भी उनके फुटेज फिल्म से हटाए नहीं गए। तरुणी सचदेव का दुखद निधन उनके 14वें जन्मदिन पर 14 मई, 2012 को नेपाल के जोमसोम एयरपोर्ट के पास अग्नि एयर डोर्नियर 228 विमान दुर्घटना में हो गया था। उनकी मां गीता सचदेव भी विमान में सवार थीं और दुर्घटना में उनकी भी मृत्यु हो गई। तरुणी और उनकी मां को मुंबई लाया गया, जहां 16 मई, 2012 को उनका अंतिम संस्कार किया गया था

गदर 3 में तारा सिंह होगा या नहीं ?अनिल शर्मा ने दिया बड़ा अपडेट

एक्शन-ड्रामा गदर जब साल 2001 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई तो इसने सफलता के इतिहास रच दिए। दर्शक ट्रक और बैलगाड़ी में बैठकर ये फिल्म देखने सिनेमाघर पहुंचे थे। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल के साथ अमीषा पटेल नजर आई थीं और फिर फिल्म की रीलिज के 22 साल बात इसके सीक्वल ने सिनेमाघरों में दस्तक दी। 22 साल बाद आए गदर के सीक्वल यानी गदर 2 को दर्शकों से डबल प्यार मिला। इस बीच गदर फ्रेंचाइजी के निर्माता अनिल शर्मा ने 'गदर 3' को लेकर एक अपडेट दिया है।

अनिल शर्मा ने गदर को लेकर एक ऐसी बात कही है, जिसके बारे में जानकर फैंस भी खुश हो जाएंगे। उन्हें होंने गदर 3 को लेकर बात करते हुए बताया गदर और गदर 2 की तरह गदर 3 में भी सुपरस्टार सनी देओल होंगे। शर्मा ने कहा, हमने गदर 3 पर काम शुरू कर दिया है। जब फिल्म से जुड़ी हर चीज हो जाएगी,तब हम शेयर करेंगे,अभी थोड़ा समय है। 'गदर 2' को बनने में 20 साल लग गए थे। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि यह फिल्म गदरः एक प्रेम कथा और गदर 2 की तुलना में भावनाओं के मामले में एक बड़ा

क या तीसरे भाग में सनी देओल होंगे? इस पर फिल्म निर्माता ने कहा, मेरा मानना है कि कहानियों पैकेज हो। गदर 2 2023 की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म और अब तक की आठवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म है।

उन्होंने कहा, गदर 3 तब आएगी,जब स्क्रिप्ट पूरी हो जाएगी और मुझे लगता है कि यह सिर्फ भावनाओं का सैलाब नहीं बल्कि भावनाओं का एटम बम है। पहले दो पार्ट में सनी ने तारा सिंह के प्रतिष्ठित किरदार को निभाया। उनके साथ अमीषा पटेल थीं, जिन्होंने सकीना का किरदार निभाया। वहीं उत्कर्ष शर्मा उनके बेटे की भूमिका में थे। का सिलसिला जारी रहना चाहिए। मैं कहानी को आगे बढ़ाना चाहता हूं। 2001 में रिलीज हुई गदरः एक प्रेम कथा 1947 में भारत के विभाजन के समय की एक दुखद प्रेम कहानी थी, जिसमें तारा सिंह नामक एक ट्रक ड्राइवर को सकीना नाम की एक पाकिस्तानी लड़की से प्यार हो जाता है। दूसरी किस्त 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान सेट की गई थी। फिल्म में तारा सिंह को अपने बेटे जीते को बचाने के लिए पाकिस्तान लौटते हुए दिखाया गया, जिसे पाकिस्तान के अधिकारियों ने कैद कर लिया था।

न्यायालय तहसीलदार रामचंद्रपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 202407272600027 /ब-121/2023-24
क्रं0 2698/वाचक/तह./2024 /रामचंद्रपुर दि.16.07.2024

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अरशद अली आ0 अयूब जाति मोमिन निवासी ग्राम दोलंगी तहसील रामचंद्रपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) के द्वारा स्वयं का ग्राम दोलंगी में दिनांक 02.01.1994 को जन्म होना बताकर जन्म पंजीयन किए जाने हेतु अनुपलब्धता प्रमाण पत्र शपथ पत्र संलग्न कर आवेदन पेश किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25/08/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16.07.2024 को जारी किया गया।

मनोज कुमार पैंकरा
तहसीलदार
रामचंद्रपुर बलरामपुर-रामगंज (छ0ग0)

सील

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलम बंद अभियान का 51 वां दिन

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

क्यूं न लिखें सच ?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या? इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...? क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक... अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)